

पाठ 8

बुद्धि का फल

इस पाठ से हम सीखेंगे—

- सोच-समझ कर बुद्धिमानी से काम करने पर हर समस्या हल हो जाती है।
- किसी को नीचा दिखाने की कोशिश में खुद को ही नीचा देखना पड़ सकता है।
- बुद्धि या समझ कहीं से माँग कर, खरीदकर या छीनकर नहीं लाई जा सकती।
- संज्ञा शब्दों की पहचान।
- स्त्रीलिंग और पुल्लिंग शब्दों की पहचान तथा उनमें अंतर।
- एकवचन तथा बहुवचन की पहचान व उनमें अंतर।

पाठ

एक बार की बात है। अकबर के दरबार में पड़ोसी राज्य से एक दूत आया। उसके हाथ में एक घड़ा था। उसने घड़ा बादशाह के सामने रखकर कहा—“हुजूर, हमारे राजा ने आपका बड़ा नाम सुना है। आपके यहाँ एक से बढ़कर एक बुद्धिमान दरबारी हैं। राजा साहब ने आपके यहाँ से एक घड़ा बुद्धि माँगवाई है। अगर मैं खाली घड़ा लेकर लौटा तो मेरा सिर कलम कर दिया जाएगा।”



दूत की बात सुनकर बादशाह का सिर चकरा गया। भला घड़े में बुद्धि कैसे भरकर दी जाए। सारे दरबारी भी सोच में पड़ गए। अकबर ने बीरबल की ओर देखा। बीरबल ने दूत से कहा—“ठीक है, तुम एक महीने बाद आना। तुम्हें एक घड़ा बुद्धि मिल जाएगी। फिलहाल तुम मेहमान-घर जाकर आराम करो।”

अगले दिन दूत वापस चला गया। बीरबल बाज़ार से एक घड़ा और खरीद लाए। दोनों घड़े लेकर कद्दू के खेत में गए। कद्दू की बेलों में अभी छोटे-छोटे फल लगने शुरू हुए थे। बीरबल ने कद्दू की कुछ बेलों को डंडे गाड़कर ऊपर उठा दिया। बेल में लगे कद्दू के फल नीचे लटकने लगे। बीरबल ने दो फलों के नीचे एक-एक घड़ा रख दिया। कद्दू के फल उन्हीं घड़ों के अंदर बढ़ने लगे।

बीरबल प्रतिदिन उन फलों की देख-रेख करते रहे। एक महीने बाद बीरबल खेत में गए। उन्होंने कद्दू के डंठलों को काटकर घड़ों को कद्दू सहित उठा लिया। उधर दरबार में पड़ोसी राजा का दूत भी आ चुका था। बादशाह और सभी दरबारी बेचैन थे। बीरबल को आते हुए देखा तो सबकी जान में जान आई।

बीरबल ने एक घड़ा दूत को पकड़ा दिया। कहा-“इस घड़े में बुद्धि का फल है। ले जाकर अपने राजा को दे देना। उनसे कहना, जो इस फल को खाएगा, उसकी बुद्धि तलवार की धार की तरह तेज़ हो जाएगी। शर्त ये है कि फल घड़े को बिना तोड़े ही निकाला जाए। अगर घड़ा टूटा, तो फल का असर जाता रहेगा।”



दूत आँखें फाड़-फाड़कर कुछ देर घड़े को देखता रहा। फिर चुपचाप घड़ा उठाकर चला गया। बीरबल ने दूसरा घड़ा बादशाह के सामने रख दिया। घड़े के अंदर इतना बड़ा कद्दू देखकर अकबर हो-हो करके हँस पड़े। बोले- “वाह बीरबल! बुद्धि का यह फल देखकर पड़ोसी राजा की बुद्धि ही चकरा जाएगी।”

इनका मतलब जानिए—

शब्द

अर्थ

सिर कलम करना	= सिर काट देना, मार डालना
सिर चकरा जाना	= कुछ समझ में न आना
आँखें फाड़-फाड़कर देखना	= आश्चर्य के साथ देखना
बुद्धि चकरा जाना	= कुछ सोच-समझ न पाना

आइए, यह भी जानें—

संज्ञा की पहचान और इसका प्रयोग:

इस पाठ में अकबर, बीरबल, बादशाह, घड़ा, राजा, कद्दू आदि शब्द आए हैं। ये किसी न किसी व्यक्ति, पद अथवा चीज़ के नाम हैं। ऐसे शब्दों को संज्ञा कहा जाता है।

इसी तरह किसी स्थान के नाम को भी संज्ञा कहते हैं, जैसे—दिल्ली, लखनऊ, भोपाल, पटना, देहरादून आदि।

किसी वस्तु, व्यक्ति, पद अथवा स्थान के नाम को संज्ञा कहते हैं।

स्त्रीलिंग और पुल्लिंग शब्दों की पहचान और इनके प्रयोग में अंतर:

इसी पाठ में बुद्धि, तलवार, शर्त, आँखें आदि शब्द आए हैं। इन शब्दों से ‘स्त्री’ का बोध होता है। ऐसे शब्दों को स्त्रीलिंग कहा जाता है।

इसी तरह दरबार, दूत, कद्दू आदि शब्दों से 'पुरुष' होने का बोध होता है। ऐसे शब्दों को पुल्लिंग कहा जाता है। स्त्रीलिंग या पुल्लिंग का ज्ञान शब्द को वाक्य में प्रयोग करके किया जाता है।

जैसे—

1. तलवार चमचमा रही है। स्त्रीलिंग
2. उसकी बुद्धि बड़ी तेज है। स्त्रीलिंग
3. राजा का दरबार लगा था। पुल्लिंग
4. घड़े में बहुत बड़ा कद्दू था। पुल्लिंग

- जिन शब्दों से स्त्री होने का बोध होता है, उन्हें स्त्रीलिंग कहते हैं।
- जिन शब्दों से पुरुष होने का बोध होता है, उन्हें पुल्लिंग कहते हैं।

एकवचन और बहुवचन की पहचान और इनके प्रयोग में अंतर:

जो शब्द अकेले होने का ज्ञान कराते हैं, उन्हें एकवचन कहते हैं, जैसे— घड़ा, महीना, शर्त आदि।

जो शब्द एक से अधिक होने का ज्ञान कराते हैं, उन्हें बहुवचन कहते हैं, जैसे— घड़े, महीने, आँखें आदि।

कुछ ऐसे भी शब्द होते हैं, जो अपने आपमें एकवचन भी होते हैं और बहुवचन भी, जैसे— दरबारी, फल, कद्दू आदि।

एकवचन और बहुवचन को उदाहरण से समझिए—

1. घड़ा बहुत छोटा है। एकवचन
घड़े बहुत छोटे हैं। बहुवचन
2. तुम्हारी आँख लाल है। एकवचन
तुम्हारी आँखें लाल हैं। बहुवचन

- | | |
|---|--------|
| 3. तुम्हें देखे हुए एक महीना बीत चुका है। | एकवचन |
| तुम्हें देखे हुए कई महीने बीत चुके हैं। | बहुवचन |
| 4. फल कच्चा है। | एकवचन |
| फल कच्चे हैं। | बहुवचन |
| 5. कद्दू बहुत बड़ा है। | एकवचन |
| कद्दू बहुत बड़े हैं। | बहुवचन |

- जो शब्द अकेले होने का बोध कराते हैं, उन्हें एकवचन कहते हैं।
- जो शब्द एक से अधिक होने का बोध कराते हैं, उन्हें बहुवचन कहते हैं।

अभ्यास

1. नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर लिखिए:

(क) पड़ोसी राजा का दूत अपने साथ क्या लेकर आया था?

.....

(ख) दूत ने अकबर से क्या माँगा?

.....

(ग) बीरबल ने घड़े कहाँ रख दिए?

.....

(घ) बीरबल ने दूत को कितने घड़े दिए?

.....

(ङ) बादशाह हो-होकर क्यों हँस पड़े?

.....

2. बताइए, नीचे लिखी कौन-सी बात किसने कही?

(अ) “ठीक है, तुम एक महीने बाद आना।”

.....

(ब) “अगर मैं खाली घड़ा लेकर लौटा तो मेरा सिर कलम कर दिया जाएगा।”

.....

(स) “बुद्धि का यह फल देखकर पड़ोसी राजा की तो बुद्धि ही चकरा जाएगी।”

.....

(द) “अगर घड़ा टूटा तो फल का असर जाता रहेगा।”

.....

3. नीचे लिखे वाक्यों में से संज्ञा शब्द छाँटकर लिखिए:

- दिल्ली हमारे देश की राजधानी है।
- सावित्री रोज रामायण पढ़ती है।
- दीपावली पर लक्ष्मीजी की पूजा होती है।
- ईद मेल-मिलाप का त्योहार है।

4. नीचे दिए शब्दों में से एकवचन और बहुवचन शब्द छाँटकर अलग-अलग लिखिए:

किताबें	मेज	लड़का	बच्चे
गधा	दरवाज़े	खिड़की	नदियाँ

	एकवचन	बहुवचन
जैसे-	गधा	किताबें
		
		
		

5. नीचे दिए शब्दों में से स्त्रीलिंग और पुल्लिंग शब्द छाँटकर अलग-अलग लिखिए:

माँ	बुद्धि	दूध	फूल
पैर	कहानी	पत्थर	जुबान

	स्त्रीलिंग	पुल्लिंग
जैसे-	माँ	पत्थर
		
		
		

6. नीचे लिखे शब्दों के बहुवचन लिखिए:

	एकवचन	बहुवचन
जैसे-	लड़का	लड़के
	लड़की	
	कुर्सी	
	पुस्तक	
	नदी	
	कटोरा	

आइए, करके देखें—

अकबर-बीरबल के किस्सों और चुटकुलों पर तमाम किताबें बाजार में मिलती हैं। कभी मौका मिले तो उन्हें लाकर पढ़िए। उन किस्सों और चुटकुलों को आपस में सुनिए-सुनाइए।

अब यह जानिए

- कुछ लोग ईर्ष्या के कारण दूसरों को नीचा दिखाने की कोशिश में लगे रहते हैं। इसके लिए नई-नई तरकीबें निकालते रहते हैं। बुद्धिमान लोग न तो उन पर गुस्सा करते हैं, न उनका अपमान करते हैं। वे अपनी बुद्धिमानी से उनकी हरकतों का जवाब देते हैं। यह समझदारी है। याद रखें— किसी को नीचा दिखाने की कोशिश करने वालों को खुद ही नीचा देखना पड़ता है।
- बीरबल बादशाह अकबर के नौ रत्नों में से थे। वे बहुत बुद्धिमान और हाज़िरजवाब थे। उनकी बुद्धिमानी और हाज़िरजवाबी के हजारों किस्से व चुटकुले मशहूर हैं। ये किस्से और चुटकुले लोगों को कुछ न कुछ सीख तो देते ही हैं, साथ ही साथ हँसाते, गुदगुदाते और भरपूर मनोरंजन भी करते हैं।

जाँच पत्र-2

(पाठ 5 से 8 तक)

1. पढ़िए और प्रश्नों के उत्तर लिखिए:

काफ़ी समय पहले भारत में एक सम्राट था। उसका नाम था— चंद्रगुप्त। उसके समय में भारत ने खूब तरक्की की। इस तरक्की का राज जानने के लिए एक चीनी यात्री चंद्रगुप्त के महामंत्री चाणक्य के पास गया।

उस समय शाम हो गयी थी। चाणक्य अपनी कुटी में एक दीपक जलाकर कुछ काम कर रहा था। चीनी यात्री ने कहा— “आचार्य, मैं आपके साथ बैठकर कुछ बातें करना चाहता हूँ।”

आचार्य चाणक्य ने तुरंत जलता हुआ दीपक बुझा दिया। फिर दूसरा दीपक जलाकर कहा—“आओ बैठो। क्या बात करना चाहते हो?”

यात्री ने कहा—“पहले तो यह बताइए, आपने जलता हुआ दीपक बुझाकर दूसरा दीपक क्यों जलाया?”

आचार्य ने कहा—“पहले जो दीपक जल रहा था, उसमें राजकोष का तेल जल रहा था। राजकोष में एक-एक पैसा जनता की गाढ़ी कमाई का जमा होता है। उसे व्यक्तिगत कार्यों में खर्च नहीं किया जा सकता। इस दूसरे दीपक में मेरे अपने पैसों का तेल जल रहा है। इसकी रोशनी में बैठकर हम आराम से आपस में बात कर सकते हैं। आप अपनी बात शुरू कीजिए।”

यात्री ने कहा—“आचार्य, अब कुछ कहने-सुनने की ज़रूरत नहीं है। मैं जो जानने आया था, वह जान गया। जिस देश में इतने कर्मठ और ईमानदार अधिकारी हों, वह तरक्की तो करेगा ही।”

(क) सम्राट चंद्रगुप्त का महामंत्री कौन था?

.....

(ख) चाणक्य से मिलने कौन आया?

.....

(ग) चीनी यात्री चाणक्य से क्यों मिलना चाहता था?

.....

(घ) चाणक्य ने जलता हुआ दीपक क्यों बुझा दिया?

.....

(ङ) चाणक्य ने दूसरा दीपक क्यों जलाया?

.....

(च) भारत वर्ष उस समय क्यों तरक्की कर रहा था?

.....

2. पढ़े गए पाठों के आधार पर प्रश्नों के उत्तर लिखिए:

(क) अपने मन की पीड़ा दूसरों से कहने पर क्या होगा?

.....

(ख) शर्त के अनुसार शंकर खूँटा गाड़ने कहाँ गया था?

.....

(ग) गांधी जी के जन्म दिन पर क्या जल रहा था?

.....

(घ) बीरबल बाज़ार से क्या खरीद कर लाए थे?

.....

3. सही शब्द छाँटकर खाली जगह भरिए:

चौंक सुख कद्दू पीड़ा वहम

(क) मीठे वचन सुनकर सबको पहुँचता है।

(ख) भूत-प्रेत सब मन का है।

(ग) गांधी जी घी का दिया देखकर गए।

(घ) गांधी जी के प्रवचन में उनके मन की झलक रही थी।

(ङ) घड़े के अंदर इतना बड़ा देखकर अकबर हँस पड़े।

4. सही शब्दों पर सही (✓) का निशान लगाइए:

बादल

वादल

विश

विष

बकरी

वकरी

शीढ़ी

सीढ़ी

कल्याण

कल्याण

यशोदा

जशोदा

सावन

शावन

अखबार

अखवार

5. नीचे लिखे शब्दों में से स्त्रीलिंग और पुल्लिंग शब्द छाँटकर अलग-अलग लिखिए:

लाठी गहरी पेट सूरज सीढ़ी बादल

पानी हवा घर अलमारी दवा मकान

स्त्रीलिंग

.....

.....

.....

.....

.....

.....

पुल्लिंग

.....

.....

.....

.....

.....

.....

6. नीचे लिखे शब्दों में से एकवचन और बहुवचन शब्द छाँटकर अलग-अलग लिखिए:

पंखा	नहर	मिठाइयाँ	किताब	पौधा
पत्ते	नदियाँ	कुत्ता	बच्चे	औरतें

एकवचन

.....

.....

.....

.....

.....

बहुवचन

.....

.....

.....

.....

.....

7. सही जगह पर सही चिह्न लगाकर लिखिए:

सावित्री ने कहा अरे वाह आज तो बहुत अच्छा मौसम है तुम उदास क्यों बैठे हो चलो कहीं घूमने चलें।

.....

.....